

I will repudiate any suggestion that everything in the defence scientific organisation is rotten. That will be doing no good to the fine research and development work which the organisation is doing in the Defence Ministry.

श्री उष सेन : मैं एक छोटा सा प्रश्न सीधा सा सवाल करना चाहता हूँ। क्या यह सही है कि फिजिकल लेबोरेटरी की तरफ से मैसर्स आत्मा राम एण्ड संत बुकसेलर्ज को कुछ रुपया दिया गया, बड़ा धन दिया गया कि वे वैज्ञानिक पत्रिकाएँ देंगे, सांस्टिट्यूटिकल जरनल देंगे लेकिन कुछ भी नहीं दिया गया? क्या मंत्री महोदय ने जब कागजात को देखा तो यह भी देखने को मिला कि उन्होंने पैसा तो ले लिया लेकिन पत्रिकाएँ आदि नहीं दीं और न ही पैसा वापस किया?

श्री जगजीवन राम : इस से यह प्रश्न पैदा नहीं होता है।

Super Tanker oil Terminal Project at Cochin

*350. SHRI VAYALAR RAVI: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) the total amount spent so far on the Super Tanker Project at Cochin Harbour;

(b) whether Government have completed the re-appraisal of the project and if so, the details thereof; and

(c) the steps taken for the speedy execution of this project?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) to (c). An investment decision on the Super Tanker Oil Terminal Project at Cochin would depend upon the feasibility of processing Bombay High crude in the Cochin Refineries. This question is at present under examination. An amount of about Rs. 2.3 crores has so far been

spent towards preliminary works, construction of reclamation Bund and purchase of some construction materials.

SHRI VAYALAR RAVI: Mr. Speaker Sir, before putting my question I would appeal to the Prime Minister to look into the case sympathetically. Apart from this, I would like to say here that the prejudiced attitude of the officers in the Planning Commission is always to object to this project. There has been some mystery behind that. Let me tell you the history of this. As you know, Sir, this project has been objected to by the officers of the Planning Commission always. I come from Kerala State and hence I appeal to the Prime Minister to consider this case and look into it in a sympathetic way.

MR. SPEAKER: That means he has no supplementary to put. This is only an appeal to you for your sympathetic consideration.

SHRI MORARJI DESAI: I accept his appeal.

MR. SPEAKER: He has accepted your appeal. Now there should be no controversy.

जेलों में अथवा पेट्रोल के दौरान मरने वाले व्यक्तिओं के आश्रितों को पेंशन देना

*351. श्री हरमोचिन्द बर्मा : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आपात स्थिति के दौरान जेलों में अथवा पेट्रोल के दौरान मरने वाले नजरबंद व्यक्तियों के आश्रितों को पेंशन देने का मानदण्ड क्या है; और

(ख) पेंशन किस तारीख में दी जायेगी, कितनी दी जायेगी और कितने आश्रितों को पेंशन मिलेगी ?

गृह मंत्री (श्री चरण सिंह) : (क) आपातस्थिति के दौरान मौसा के अखिल रखे गये उन नजरबंदियों के आश्रित पेंशन

के लिए पात्र हैं, जिन की मृत्यु हिरामत में अथवा हिरामत से उन की रिहाई के, 11 महीने पेट्रोल पर या अन्यथा, तीन महीने के भीतर हो गई थी। यह योजना केवल भारतीय राष्ट्रियों और उन को जिन्हें आर्थिक सहायता की जरूरत है लागू होगी।

(ख) प्रत्येक मामले में 200 रु० से 300 रु० तक मासिक पेंशन, जिस महीने में नजरबन्द व्यक्ति की मृत्यु हुई हो उससे आगे के महीने से दी जाएगी। पेंशन के लिए निम्नलिखित आश्रित पात्र होंगे :-

(1) मृतक की विधवा जब तक वह दूसरा विवाह नहीं करती अथवा उस की मृत्यु नहीं होनी;

(2) आश्रित लड़के व लड़कियां परन्तु लड़के की आयु 21 वर्ष की होने पर अथवा लड़कियों की शादी होने पर या अन्य रूप में स्वतन्त्र होने पर वह बन्द हो जाएगी; और

(3) जीवित माता-पिता, यदि वे अपने जीवन-निर्वाह के लिए पूर्णतः मृतक पर निर्भर थे।

श्री हरगोविन्द वर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि जो डी० आई० आर० में बन्द हुए हैं क्या उनको भी कुछ पेंशन मिलेगी क्योंकि सरकार ने पुलिस के माध्यम में अधिकतर ऐसे ऐसे लोगों का डी० आई० आर० में बन्द किया जो कि निर्दोष थे, केवल राजनीतिक तौर पर और प्रजातांत्रिक तौर पर ही सरकार के विरोध में थे। ऐसे लोगों को भी पुलिस ने बन्द कर दिया और उन में से कुछ व्यक्ति मरे भी हैं। तो क्या सरकार उन को भी पेंशन देने की कृपा करेगी ?

श्री चरण सिंह : यह पेंशन केवल नजरबन्दी के आश्रितों को जिन की मृत्यु हो गई है, मिलेगी। डी० आई० आर० के लोगों पर लागू नहीं है। वैसे जिन पर डी०

आई० आर० के केसेज चल रहे थे उनको नजरबन्द भी कर दिया गया था एम० आई० एस० ए० के अन्दर, तो ऐसे लोगों को जो एम० आई० एस० ए० के अन्दर थे, चाहे डी० आई० आर० हो या न हो, उनको भी मिलेगी।

श्री हरगोविन्द वर्मा : हम शूद्र डी० आई० आर० के बारे में जानना चाहते हैं क्योंकि बहुत से ऐसे केसेज हैं कि जो बहुत से राजनीतिक लोग थे और उनकी मृत्यु जेल में हुई है। ऐसे लोगों के बारे में सरकार की क्या दृष्टि है ?

श्री चरण सिंह : अब तक का फैसला केवल नजरबन्दों के लिए है। लेकिन माननीय मित्र ने जो मवाल उठाया है उस पर सरकार विचार करेगी।

श्री डी० एन० तिवारी : मैं जानना चाहूंगा कि क्या सरकार के पास स्टेटवाइड कोई स्टैटिक्स हैं कि कितने ऐसे केसेज हैं और कितने पेंशन के लायक हैं और कितनों को पेंशन दी गई है, और बाकी को कब तक सेक्शन हो जाएगी ? यदि यह स्टैटिक्स नहीं हैं तो इनको कब तक इकट्ठा कर लेने का सरकार का इरादा है।

श्री चरण सिंह : प्रदेश वार मृतकों के आंकड़े गवर्नमेंट के पास हैं। अब जिलाधीशों को लिखा जा रहा है कि जो इस प्रकार के केसेज हों वह स्टेट गवर्नमेंट को भेजें और स्टेट गवर्नमेंट भारत सरकार को भेजें।

श्री यज्ञवल्त शर्मा : इस प्रकार के पेंशन के मामले में जो लोग पेंशन लेने के पात्र हैं, उनके अपने सम्बन्धी हैं, ग्रामीण हैं, कुछ और हैं, तो प्रासेस इतना

काफी कम्पलीकेटेड हो जाता है। क्या मंत्री महोदय, इस प्रक्रिया को इतना सीधा और सरल बनाएंगे जिससे उनको पेंशन पाने में सुविधा हो ?

श्री चरण सिंह : माननीय मित्र ने जो कहा है, वह बहुत ठीक है। मैं उससे सहमत हूँ। हम डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट्स के पास यह आदेश भेज रहे हैं कि वह अपनी ओर से तहकीकात करें न कि इस बात पर निर्भर करें कि आश्रितों के यहां से दरखास्त आये।

श्रीमती अहिल्या पी० रांगनेकर : मैं मंत्री महोदय से जानना चाहती हूँ कि जो ग्रैंडर ट्रायल थे, जिनकी टाचंस की वजह से मृत्यु हो गई, क्या उनको भी पेंशन दी जाएगी ?

श्री चरण सिंह : टाचंस की वजह से जिनकी मृत्यु हो गई, और वह ग्रन्डर थे, वह तो इसमें आ गए।

श्रीमती अहिल्या पी० रांगनेकर : वह ग्रैंडर ट्रायल थे, सीमा में डिटेनम नहीं थे।

श्री चरण सिंह : उन केसेज पर विचार किया जाएगा।

SHRI SAMAR GUHA: Sir, I want to know from the hon'ble Minister whether it is a fact that on the basis of a circular issued by the Home Minister during the last regime many teachers in schools, colleges and universities were deprived of their salaries? This circular was sent to all the State Chief Secretaries. It was said in that circular that those teachers who are in detention under MISA should not be given full salary. They should be paid salary only for the period of leave. I would like to know whether that circular will be withdrawn so that the concerned authorities may be able to pay the outstanding salaries to the affected teachers?

SHRI CHARAN SINGH: Sir, this supplementary does not arise out of the present question. I want a separate notice for it.

SHRI PURNA SINHA: May I know from the hon'ble Minister what steps will be taken in the cases of those who suffered incurable diseases during detention resulting into eventual death after three months?

SHRI CHARAN SINGH: Sir, I have not understood the question but those cases where death has occurred will be covered and given pension.

Memoranda Against Chief Minister/ Ex-Chief Ministers etc.

*352. SHRI KANWAR LAL GUPTA. Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) Whether Government have received memoranda against some Chief Ministers, Ministers, ex-Chief Ministers and ex-Ministers of the States in the last two years;

(b) if so, the names of persons against whom the memoranda have been received and the contents of the memoranda; and

(c) what action has been taken over these memoranda by the Government; and whether Government propose to refer these memoranda to CBI for investigation?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS: (SHRI CHARAN SINGH): (a):

Yes, Sir.

(b) It will not be appropriate to disclose the nature of the allegations contained in the said memoranda received during the years 1975 and 1976 or the names of the persons against whom allegations were made.

(c) According to the available information the said memoranda were processed in accordance with the usual procedure having regard to the provisions of the Code of Conduct for